दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, रविवार 23 मई 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 232

महत्वपूर्ण एवं खास

चक्रवात ताउते में अब भी 26 लोग लापता, नौसेना की टीमें कर रही है तलाश

मुंबई (आरएनएस)। चक्रवात 'ताउते' की चपेट में आने के छह दिन बाद भी बजरा पी305 के 15 और टगबोट नौका वाराप्रदा के 11 कर्मी अब भी लापता हैं जिनका पता लगाने के लिए नौसेना ने शनिवार को मुंबई अपतटीय क्षेत्र में विशेष गोताखोर टीमों को तैनात कर दिया। बजरा पी305 और नौका वाराप्रदा के लापता चालक दल को खोजने के लिए चल रहे खोज एवं बचाव अभियान को बढ़ाने के लिए साइड-स्कैन सोनार के साथ आईएनएस मकर और आईएनएस तरासा पर सवार होकर विशेष गोताखोर टीम आज सुबह मुंबई से रवाना हुई। सोमवार को अरब सागर में बजरा पी305 के डूबने से मरने वालों की संख्या 11 और शवों की बरामदगी के साथ शुक्रवार को 60 तक पहुंच गई, जबकि नौसेना और तटरक्षक बल ने बजरे से 15 और वाराप्रदा से 11 लापता कर्मियों की तलाश जारी रखी। रात भर चले अभियान पर नयी सूचना की प्रतीक्षा है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि लापता लोगों के जीवित होने की उम्मीद अब कम हो रही है। पी305 बजरा पर सवार 261 कर्मियों में से अब तक 186 को बचाया जा चुका है। वाराप्रदा में सवार 13 लोगों में से दो को बचा लिया गया है।

35 राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में 701 वन स्टॉप केंद्रों द्वारा 3 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराई गई

नई दिल्ली (आरएनएस)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही वन स्टॉप सेंटर योजना (ओएससी) यानी एक ही छत के नीचे मदद प्रदान करने की योजना ने अब तक 3 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता प्रदान की है। यह योजना 1 अप्रैल, 2015 से पूरे देश में राज्य सरकारों/केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासनों के माध्यम से लागू की जा रही है ताकि हिंसा से प्रभावित महिलाओं और निजी और सार्वजनिक दोनों जगहों पर एक ही छत के नीचे महिलाओं को एकीकृत सहारा और सहायता प्रदान की जा सके। इसके अंतर्गत महिलाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की हिंसा के खिलाफ लड़ने के लिए पुलिस, चिकित्सा, कानूनी सहायता और परामर्श, मनोवैज्ञानिक सहायता सहित कई सेवाओं के लिए तत्काल, आपातकालीन और गैर-आपातकालीन सहायता प्रदान की जाती है। अब तक, 35 राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में 701 ओएससी चालू किए जा चुके हैं। कोविड महामारी के कारण बनी मौजूदा स्थिति में, जो महिलाएं संकट की स्थिति में हैं या हिंसा से प्रभावित हैं, वे त्वरित सहायता और सेवाओं के लिए निकटतम ओएससी से संपर्क कर सकती हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों/प्रशासकों और सभी जिलों के डीसी/डीएम को निर्देश दिया है कि वे लॉकडाउन अवधि के दौरान वन स्टॉप सेंटरों को चालू रखें, जिसमें कोविड-19 से लड़ने के लिए आवश्यक सभी बुनियादी सामग्री जैसे, सैनिटाइजर, साबुन, मास्क आदि उपलब्ध हो।

देश में अब तक 224 ऑक्सीजन एक्सप्रेस के द्वारा मिशन मोड में 884 टैंकरों में 14500 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की गई

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे मौजूदा चुनौतियों का सामना और नए उपायों की तलाश के साथ देश के विभिन्न राज्यों की मांग पर तरल चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति के अपने अभियान पर निरंतर काम कर रही है। भारतीय रेलवे अब तक देश के विभिन्न राज्यों को 884 टैंकरों में लगभग 14500 मीट्रिक टन चिकित्सा उपयोग हेतु तरल ऑक्सीजन की आपूर्ति कर चुका है। इस अभियान के अंतर्गत अब तक 224 ऑक्सीजन एक्सप्रेस की यात्रा पूरी हो चुकी है और विभिन्न राज्यों को राहत पहुंचाई गई है। इस विज्ञप्ति के जारी होने के समय तक 8 ऑक्सीज़न एक्सप्रेस 35 टैंकरों में 563 मीट्रिक टन तरल मेडिकल ऑक्सीजन (एलएमओ) लेकर निर्धारित राज्यों में पहुँचने के लिए अपने मार्ग पर चल रही हैं।

देश में नौ हजार के करीब पहुंचे ब्लैक फंगस के मामले, राज्यों में बढ़ी एम्फोटेरिसिन-बी इंजेक्शन की मांग

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश अभी कोरोना महामारी से ही जंग जीतने का प्रयास कर रहा है, कि कोरोना वायरस के साथ साथ अब ब्लैक फंगस के बढ़ते खतरे ने नई मुश्किल खड़ी कर दी है। इसे भी केंद्र के निर्देश पर राज्यों द्वारा महामारी घोषित कर दिया गया है। देश में अभी तक ब्लैक फंगस के करीब नौ हजार मामले सामने आए हैं। केंद्र की ओर से आईसीएमआर ने म्यूकोरमाइकोसिस यानी ब्लैक फंगस को लेकर गाइडलाइंस जारी की हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में कोरोना वायरस के साथ-साथ ब्लैक फंगस का खतरा और आंकड़ा दोनों ही बढ़ने लगे हैं। कई राज्यों की रिपोर्ट के आधार पर बताया गया है कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र जैसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में

ब्लैक फंगस के बढ़ते मामलों में देश में अब तक करीब 9,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। सबसे ज्यादा 5,800 मामले तो अकेले गुजरात में ही सामने आए हैं। गुजरात में व्हाइट फंगस के भी दो मामले देखने को मिले हैं।

❐ **दस राज्यों में ज्यादा खतरा-** देश में 10 राज्यों में ब्लैक फंगस का खतरा बढ़ता जा रहा है। सबसे अधिक गुजरात में 5,800 मामले मिले हैं। गुजरात के बाद महाराष्ट्र में 1500 मामले सामने आए हैं। यहां 90 मरीजों की मौत भी हो चुकी है। मुंबई के विभिन्न अस्पतालों में ही इसके 111 मरीज भर्ती हैं। इस संक्रमण के चलते कई मरीजों की आंख तक निकालनी पड़ रही है। इस बीमारी से राजस्थान में 400, हरियाणा में 276, बिहार में 117, यूपी में 154, झारखंड में 16 मरीज इलाज करवा रहे हैं।

❐ **इनके लिए खतरा ब्लैक फंगस-** ब्लैक फंगस को लेकर जरी हुई गाइडलाइंस के अनुसार कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों में ब्लैक फंगस का खतरा दिख रहा है। ये फंगल संक्रमण इतना खतरनाक है कि कई मामलों में लोगों की आंखों की रोशनी तक चली गई और कई मरीजों ने दम तोड़ दिया। इस बीमारी के तहत आंख निकालने तक की नौबत आ जाती है। देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बीच अब ब्लैक फंगस यानी म्यूकर मायकोसिस विकराल रूप लेता जा रहा है। यही नहीं अहमदाबाद में कोरोना से उबरे 15 साल के किशोर में म्यूकर मायकोसिस का संक्रमण मिला है। 4 घंटे चले ऑपरेशन के बाद किशोर संक्रमण मुक्त हो गया

❐ **किसे होता है ब्लैक फंगस-** नई दिल्ली स्थित एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने बताया कि यदि कोई लंबे समय से स्टेरॉयड ले रहा है, तो डायबिटीज जैसी समस्या आ सकती है। ऐसे में फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में म्यूकर मायकोसिस यानी ब्लैक फंगस होना सामान्य है। एस्परगिलोसिस संक्रमण भी हो सकते हैं। स्टेरॉयड लेते हैं तो ब्लड शुगर चेक करते रहें। ब्लैक फंगस कोरोना से पीड़ित उन लोगों के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक माना जा रहा है, जो शुगर और कैंसर से पीड़ित हैं। डॉक्टर की माने को जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, उन्हें ज्यादा खतरा है।

❐ **राज्यों में दिए एम्फोटेरिसिन-बी इंजेक्शन-** रसायन और उर्वरक मंत्री सदानंद गौड़ा ने प्रभावित राज्यों को आवंटित शीशियों की संख्या के विवरण के साथ ट्वीट किया कि विभिन्न राज्यों में ब्लैक फंगस के मामलों की बढ़ती संख्या की विस्तृत समीक्षा के बाद आज सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को एम्फोटेरिसिन-बी की कुल 23,680 अतिरिक्त शीशियां आवंटित की गई हैं। यह आवंटन रोगियों की कुल संख्या के आधार पर किया गया है।

❐ **ब्लैक फंगस से सबसे ज्यादा प्रभावित कौन?-** आईसीएमआर की ओर से जारी नए नियमों के मुताबिक, ब्लैक फंगस उन मरीजों में फैलता है, जो पहले से किसी दूसरी बीमारियों की दवा ले रहे हैं। उन कोरोना मरीजों में ब्लैक फंगस का खतरा ज्यादा देखा जा रहा है, जिन्हें लक्षणों के इलाज के लिए स्टेरॉयड दिया गया।

❐ **ब्लैक फंगस के लक्षण क्या-क्या है?-** लक्षणों की बात करें तो इसमें सिरदर्द, चेहरे पर दर्द, नाक बंद, आंखों की रोशनी कम होना या फिर दर्द होना, मानसिक स्थिति में बदलाव या थकान होना, गाल और आंखों में सूजन, दांत दर्द, दांतों का ढीला होना, नाक में काली पपड़ी जमना, सांस लेने में तकनीफ, खांसी और खून की उल्टी होना।

किसान संगठनों की फिर से वार्ता शुरू करने की गुहार

» पीएम मोदी को कृषि कानूनों को लेकर लिखा पत्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। कृषि कानूनों के खिलाफ में किसानों का आंदोलन एक बार फिर से चर्चा में आ गया है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तीन कृषि कानूनों पर बातचीत फिर से शुरू करने का आग्रह किया। किसान पिछले साल नवंबर से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे हैं। किसानों और सरकार के बीच कई दौर की वार्ता हो चुकी है लेकिन वे तीन कृषि कानूनों पर गतिरोध को तोड़ने में विफल रही है। एसकेएम में किसानों के 40 संघ शामिल हैं।

संयुक्त किसान मोर्चा ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि उसने सरकार से प्रदर्शन कर रहे किसानों के साथ फिर से बातचीत शुरू करने को कहा है। एक सरकारी समिति ने 22 जनवरी को किसान नेताओं से मुलाकात की थी। 26 जनवरी के बाद से दोनों पक्षों के बीच कोई बातचीत नहीं हुई है। गणतंत्र दिवस के दिन ही राष्ट्रीय राजधानी में किसानों की ट्रैक्टर रैली हिंसक हो गई थी। एसकेएम ने एक बयान में कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा ने आज प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर किसानों से बातचीत फिर से शुरू करने को कहा है। इस पत्र में किसान आंदोलन के कई पहलुओं और सरकार के अहंकारी रवैये का जिक्र है। उसने कहा कि प्रदर्शनकारी किसान नहीं चाहते हैं कि कोई भी महामारी की चपेट में आए। साथ में वे संघर्ष को भी नहीं छोड़ सकते हैं, क्योंकि यह जीवन और मृत्यु का मामला है और आने वाली पीढ़ियों का भी।

एक ईमेल पर मिलेगी 38 लाख सीजीएचएस लाभार्थियों को स्वास्थ्य सुविधाएं

» केंद्र सरकार का सीजीएचएस के लिए बड़ा फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने कोरोनाकाल में अपने 38 लाख सीजीएचएस लाभार्थियों को बड़ी राहत प्रदान की है। अनेक कर्मी बतौर फ्रंटलाइन वर्कर काम कर रहे हैं, ऐसे में कर्मियों और उनके परिजनों को इलाज में कोई दिक्कत न आए, इसके लिए खास प्रावधान किए गए हैं। कर्मियों को कोई ऐसा टेस्ट कराना है या दवा खरीदनी है जो सीजीएचएस के दायरे से बाहर है तो उसके लिए कर्मियों को सीजीएचएस मुख्यालय के चक्कर

नहीं काटने पड़ेंगे। मात्र एक ईमेल से तुरंत उसकी मंजूरी मिल जाएगी।

केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के द्वारा स्वास्थ्य मंत्रालय से आग्रह किया गया था कि कोरोनाकाल में कर्मियों को अपने इलाज के दौरान कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद सीजीएचएस ने सभी लाभार्थियों को कई मामलों में राहत प्रदान की है। यदि कोई लाभार्थी होम केयर ट्रीटमेंट पर है और उसे कई तरह के मेडिकल टेस्ट कराने हैं तो उसके लिए सीजीएचएस मुख्यालय आना जरूरी नहीं होगा। नए प्रावधानों के मुताबिक, होमकेयर ट्रीटमेंट के अंतर्गत कोई लाभार्थी कोरोना संक्रमित है, या इसके प्रारंभिक लक्षण हैं और वह मेडिकल टेस्ट कराना चाहता है तो उसे ईमेल के लिए संबंधित सेंटर पर टेस्ट कराने की मंजूरी प्रदान की जाएगी। उसे आरटी-पीसीआर/आरएटी टेस्ट कराने के लिए सीजीएचएस सेंटर के सीएमओ या इंचार्ज को मेल भेजनी है। उसी दिन मेल पर ही रेफर करने का आदेश आ जाएगा। संबंधित एचसीओ व सीजीएचएस की सूची में शामिल स्वास्थ्य केंद्र, जहां पर टेस्ट होगा, उसका नाम भी मेल पर लिखा रहेगा। सूत्रों के अनुसार अगर किसी कर्मी या उसके परिजनों को कोरोना संक्रमण के लक्षण दिखाई पड़ते हैं और उन्हें आरटी-पीसीआर/आरएटी कराने के लिए किसी दूसरी जगह पर रेफर होने की आवश्यकता है तो यह कार्य ईमेल के जरिए हो जाएगा। इसके लिए उन्हें सीजीएचएस स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं आना पड़ेगा।

12 वीं कक्षा की परीक्षा हेतु राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ आज होगी एक उच्च स्तरीय बैठक

नई दिल्ली (आरएनएस)। बारहवीं कक्षा के लिए परीक्षा और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाओं को आयोजित करने प्रस्तावों पर चर्चा के लिए कल सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के शिक्षा मंत्रियों, शिक्षा सचिवों और राज्य परीक्षा बोर्डों के अध्यक्षों और हितधारकों के साथ एक उच्च स्तरीय वर्चुअल बैठक बुलाई गई है।

बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। बैठक में केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी और केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर भी उपस्थिति रहेंगे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे गए अपने एक पत्र कहा है कि शिक्षा मंत्रालय का स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग एवं सीबीएसई परीक्षा आयोजित करने के संबंध में छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विकल्प की तलाश कर रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग भी उच्चतर शिक्षण संस्थानों के लिए परीक्षाओं की तिथियों को अंतिम रूप देने पर विचार-विर्मश कर रहा है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि कोविड-19 महामारी ने शिक्षा क्षेत्र, विशेष रूप से बोर्ड परीक्षा और प्रवेश परीक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित किया है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए, लगभग सभी राज्य शिक्षा बोर्डों, सीबीएसई और आईसीएसई ने अपनी बारहवीं कक्षा की परीक्षा, 2021 को स्थगित कर दिया है। इसी तरह, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) और अन्य राष्ट्रीय परीक्षा आयोजित करने वाले संस्थानों ने भी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अपनी प्रवेश परीक्षाओं को स्थगित कर दिया है।

चूंकि बारहवीं कक्षा की परीक्षाओं के आयोजन से पूरे देश में राज्य बोर्ड परीक्षाओं और अन्य प्रवेश परीक्षाओं पर प्रभाव पड़ता है, साथ ही इस संदर्भ में छात्रों के बीच उत्पन्न अनिश्चितता को कम करने के लिए यह आवश्यक है कि विभिन्न राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों के सुझावों के आधार पर देश भर के सभी छात्रों के हित में बारहवीं कक्षा की सीबीएसई परीक्षा के बारे में विचार किया जाए।

पोखरियाल ने ट्विटर के माध्यम से सभी हितधारकों- छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और अन्य लोगों से भी सुझाव मांगें हैं।

मई के 21 दिन में 83 हजार से ज्यादा की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना संक्रमण की दूसरी नई लहर इतनी भयावह साबित हो रही है कि मई माह में 21 तारीख तक देशभर में 83,135 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि देश के कई राज्यों में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए पिछले कई हफ्तों से नाइट कर्फ्यू व लॉकडाउन लागू किया गया है।

मंत्रालय के अनुसार देश में कोरोना के मामले शुक्रवार (1 से 21 मई) तक 70 लाख के आंकड़े को पार कर गए।

यह आंकड़ा पिछले महीने अप्रैल में दर्ज किए गए 69.4 लाख के रिकॉर्ड को पार कर गया। सिर्फ मई के 21 दिनों में ही कोरोना के 71.3 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए, जो पिछले साल महामारी की शुरुआत के बाद से पाए गए सभी संक्रमण के मामलों का 27 प्रतिशत से अधिक है।

❐ **कोरोना के नियंत्रण के बन रहे हैं हालात-** नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल ने कहा कि देश के बड़े हिस्से में कोरोना महामारी की स्थिति अब नियंत्रण में आ रही है। डॉ. पॉल ने कहा कि देश में कोरोना की सकारात्मकता दर घट रही है और महामारी के सक्रिय मामलों में भी कमी आ रही है, जो कि हमारे लिए एक सकारात्मक संकेत है। डॉ.पॉल ने कहा, एक व्यक्ति को पहली खुराक दूसरे टीके की और दूसरी खुराक किसी और टीके लगाना वैज्ञानिक और सैद्धांतिक रूप से यह संभव है।

कोरोना से मौतों ने देश में पैदा किया खौफ, 24 घंटे में मौतों का आंकड फिर 4 हजार पार, 2.5 लाख से ज्यादा नए मामले

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश कोरोना महामारी की दूसरी लहर में मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है और पिछले सप्ताह से लगातार हरेक दिन चार हजार से ज्यादा मौतें कोरोना संक्रमण के कारण सामने आ रही है। हालांकि कोरोना के नए मामलों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। पिछले 24 घंटे में देश में संक्रमण के कारण 4194 लोगों ने अपनी जान गंवाई है, जबकि इस दौरान संक्रमण के 2,57,299 नए मामले दर्ज किये गये हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को जारी आंकडों के मुताबिक देश में जारी कोरोना के प्रकोप के बीच दैनिक नए मरीजों की संख्या में उतार चढ़ाव देखा जा रहा है, लेकिन संक्रमण से मरने वालों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। पिछले 24 घंटों में 2,57,299 नए कोरोना मरीज सामने आने के बाद देश में अब तक कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,62,89,290 पहुंच गई है। जबकि पिछले 24 घंटे में 4,194 कोरोना मरीजों की मौत के बाद संक्रमण से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 2,95,525 हो गया है।

❐ **छह राज्यों में सर्वाधिक मौतें-** स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में केवल सात राज्य ऐसे हैं जहां 10 हजार से अधिक मामले आ रहे हैं और 5-10 हजार मामलों वाले 6 राज्य हैं। 6 राज्यों में सबसे ज्यादा मौतें हो रही हैं। इनमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, यूपी, पंजाब और दिल्ली का नाम शामिल है। उन्होंने कहा कि पिछले 20 दिनों से देश में सक्रिय मामलों में कमी देखी जा रही है। 3 मई को देश में 17.13 फीसदी सक्रिय मामले थे और अब यह 11.12 फीसदी हो गया है। रिकवरी रेट भी 87.76 फीसदी हो चुकी है। देश में 2 करोड़ 30 लाख से ज्यादा लोग स्वस्थ्य हो चुके हैं।

❐ **सक्रिय मामलों में आई कमी-** स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश में सक्रिय मामलों में लगामार गिरावट आ रही है। पिछले 24 घंटे में 3,57,630 कोरोना मरीज स्वस्थ होकर अपने घर लौट गए हैं। इसके साथ ही देश में अब तक 2,30,70,365 मरीज कोरोना वायरस को मात देने में कामयाब हुए हैं। रोजाना के आधार पर दर्ज होने वाले नए कोरोना केसों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों संख्या अधिक है, जिससे सक्रिय मामलों में गिरावट आई है। फिलहाल, देश में 29,23,400 सक्रिय मामले हैं।

❐ **एक दिन 20.66 लाख नमूनों की जांच का रिकार्ड-** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 का पता लगाने के लिए अब तक के सर्वाधिक 20.66 लाख नमूनों की जांच की गई। देश में लगातार चौथे दिन 20 लाख से ज्यादा नमूनों की जांच की गई। वहीं कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान के तहत देश में टीके की 19.33 करोड़ खुराकें दी गई हैं। शनिवार सुबह सात बजे की अनंतिम रिपोर्ट के मुताबिक 27 लाख 76 हजार 936 सत्र के दौरान टीके की 19 करोड़ 33 लाख 72 हजार 819 खुराकें दी गई। इनमें 97 लाख 38 हजार 148 स्वास्थ्यकर्मियों को पहली खुराक और 66 लाख 91 हजार 350 को दूसरी खुराक दी गई है। मंत्रालय ने कहा कि अग्रिम मोर्चे के एक करोड़ 48 लाख 70 हजार 81 कर्मियों को पहली खुराक और 83 लाख छह हजार 20 कर्मियों को वैक्सीन की दूसरी खुराक दी गई है। 18 से 44 वर्ष उम्र समूह में 92 लाख 97 हजार 532 लोगों को पहली खुराक दी गई। 45-60 वर्ष उम्र समूह में 6 करोड़ दो लाख 11 हजार 957 को पहली और 96 लाख 84 हजार 295 को दूसरी खुराक दी गई। वरिष्ठ नागरिकों में पांच करोड़ 63 लाख 83 हजार 760 लोगों को पहली खुराक और एक करोड़ 81 लाख 89 हजार 676 को दूसरी खुराक दी गई।